Dr. Madan Paswan, History. Lecture No. 33

Class : B.A. Part-I (Hons.) Paper-1st / Date : 29.7.2020

Topic : Background & Beginning of Harappan Culture :—

हड़प्पा संस्कृति का अन्य संस्कृतियों से संपर्क :—

माप तौल के साधन : सिंधु घाटी की आर्थिक दशा का सुनिश्चित प्रमाण देने वाली सामग्री में माप तौल के अनेक रूपों तथा विविधता का दर्शन होता है। हड़प्पा के अवशेषों में ताम्र-निर्मित एक शलाका प्राप्त हुई है। इस पर एक ही आकार के अनेक छोटे-छोटे भाग बने हुए हैं। सीपी का बना हुआ एक मापक यंत्र भी प्राप्त हुआ है। कई तराजुएँ भी मिली हैं। इसका प्रयोग विभिन्न वस्तुओं का वजन तौलने के लिए किया जाता था। बाट-बटखरे प्रायः पत्थर के होते थे तथा इनका आकार चौकोर होता था। बटखरों की इकाईयाँ 1, 2, 4, 8, 16, 32, 64, 160, 200, 320 तथा 640 थीं। सबसे छोटे बाट का तौल 13.64 gram के बराबर है। इनके गुणांक 16 के बनाये गये थे। उल्लेखनीय है कि प्राचीन भारत के कर्षापण नामक सिक्का 16 मासक का होता था।

मुहरें : इस सभ्यता की एक प्रमुख विशेषता मुहरों का उपयोग है। मुहरों का उपयोग सामान को सीलबंद करने के लिए किया जाता था। इसके अतिरिक्त वे जादूगर और पहचान के लिए प्रयोग में लाई जाती थी। जिसकी स्थिति संतोषजनक मानी जाती थी। कुछ को मंदिरों में चढ़ावे के तौर पर भी प्रयोग में लाया जाता था। सभ्यता में लगभग 2500 मुहरें प्राप्त हुई हैं। यह प्रायः आयताकार या वर्गाकार है। वर्गाकार मुहर पर पशु के चित्र के साथ लिपि उत्कीर्ण है।

* सिंधु सभ्यता के नदी तट पर बसे नगर :—	
स्थल / नगर	नदी तट / सागर तट
मोहनजोदड़ो	सिंधु नदी
हड़प्पा	रावी नदी
बनवाली	घग्घर
कालीबंगा	घग्घर
लोथल	भोगवा
रोजदी	भादर नदी
मालवण	ताप्ती नदी
सोत्काकोह	शादी कौर
सुतकागेंडोर	दाश्क नदी
चन्हूदड़ो	सिन्धु नदी
भगतराव (गुजरात)	किमसागर संगम.

Continue.....